


---

janmavaiphalyanirUpaNAShTakam

——  
जन्मवैफल्यनिरुपलक्षकम्

——  
Document Information



---

Text title : janmavaiphalyanirUpaNAShTakam

File name : janmavaiphalyanirUpaNAShTakam.itx

Category : aShTaka, vishhnu, krishna, vishnu, puShTimArgIya

Location : doc\_vishhnu

Proofread by : PSA Easwaran

Description/comments : puShTimArgIya stotraratnAkara

Latest update : May 17, 2017

Send corrections to : sanskrit at cheerful dot c om

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---


Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.


---

March 3, 2025

*sanskritdocuments.org*

---



——  
जन्मवैकृत्यनिरुपशाष्टकम्



नाश्रितो वल्लभाधीशो न य दृष्टा सुभोधिनी ।  
नाराधि राधिकानाथो वृथा तज्जन्म भूतले ॥ १ ॥

न गृहीतं उरेर्नामि नात्माद्यभिलमर्षितम् ।  
न कृष्णसेवा विडिता वृथातज्जन्म भूतले ॥ २ ॥

न लीलाश्रितनं नैव दीनता विरुडात् उरेः ।  
ल वा कृष्णाश्रयः पूर्णो वृथा तज्जन्म भूतले ॥ ३ ॥

न नीता वार्तया घस्राः साधवो नैव सेविताः ।  
न गोविन्दगुणा गीता वृथा तज्जन्म भूतले ॥ ४ ॥

न कृष्णरूपसौन्दर्यमनो नैव विरागिता ।  
न दुःसङ्गपरित्यागो वृथा तज्जन्म भूतले ॥ ५ ॥

न भक्तिः पुष्टिमागीया न निःसाधनता लृष्टि ।  
न विस्मृतिः प्रपञ्चस्य वृथा तज्जन्म भूतले ॥ ६ ॥


न धर्मपरता नैव धर्ममार्गे मनोगतिः ।  
न भक्तिर्ज्ञानवैराग्ये वृथा तज्जन्म भूतले ॥ ७ ॥

न निजस्वामिविरुडपरितापो न भावना ।  
न दैन्यं परमं यस्य वृथा तज्जन्म भूतले ॥ ८ ॥

एति श्रीहरिरायवर्यविरचितं जन्मवैकृत्यनिरुपशाष्टकम् ॥

Proofread by PSA Easwaran

pdf was typeset on March 3, 2025

——  
Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

